देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 191 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
बढ़ी हुई आकांक्षा

देहरादून, मंगलवार, 5 नवंबर 2024

पेज थ्री

मौसम अधिकतम 26.0° न्यूनतम 17.0°

79924.77

2 हिंदू संगठनों ने लिया बड़ा फैसला

7 रोहित शर्मा पर उठ रहे हैं सवाल

अल्मोड़ा में दिल दहला देने वाला हादसा

यात्रियों से खचाखच भरी बस खाई में गिरी, 36 की मौत

संवाददाता

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। पीएमओ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार देने की घोषणा की।

बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 36 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 36 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन,आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए।

डीएम देहरादून को भी रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख के लिए विशेष रूप से वहां भेजा जा रहा है। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई हैं। रेस्क्यू और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।

सीएम ने किया मुआवजे का एलान, एआरटीओ प्रवर्तन निलंबित

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए। सीएम ने मृतक परिजनों को 4-4 लाख रूपये और घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश दिया है। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी ने जताया दुख

अल्मोड़ा में हुए हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया। उन्होंने लिखा कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शोक व्यक्त किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी अल्मोड़ा हादसे को लेकर ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा- उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना अत्यंत दुःखद है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अल्मोड़ा बस हादसे को लेकर ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी समेत तीन राज्यों में उपचुनाव की तारीख बदली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। तीन राज्यों के उपचुनाव की तारीखों में बदलाव किया गया है। विभिन्न त्योहारों के कारण केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश के विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की तारीख को पुनर्निर्धारित किया गया है। कांग्रेस, भाजपा, बसपा, रालोद और अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के अनुरोध पर और कम मतदान की किसी भी संभावना को खारिज करने के लिए चुनाव आयोग ने ये फैसला लिया है। तीन राज्यों केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव अब 20 नवंबर को होगा।

वायु सेना का मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज आगरा। आगरा में सोमवार को वायु सेना का विमान मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। बताया गया है कि नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तकनीकि खराबी आने से ये हादसा हुआ।

गरीबों के संघर्षो को मैने जियाः पीएम मोदी

चाईबासा में पीएम मोदी का बड़ा जुबानी प्रहार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

गढ़वा। झारखंड में 13 नवंबर को पहले चरण का चुनाव है। इस बीच, गढ़वा के बाद पीएम मोदी चाईबासा पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने यहां अपना संबोधन दे रहे हैं। पीएम मोदी ने यहां जेएमएम और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। पीएम मोदी ने कहा कि गरीबों का संघर्षो को मैने जिया है। 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। हमारी सरकार बनी तो किसान को धान का उेच 3000 रुपये प्रति क्विंटल देगी। कांग्रेस ने आदिवासी को गरीब रखने का काम किया। जिनको कोई नहीं पूछता है उनको मोदी पूजता है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से 60 हजार गांव में आदिवासी का उत्थान किया जाएगा। चाईबासा में मेडिकल कालेज का काम झारखंड सरकार ने लटका कर रखा है। झारखंड की पहचान को बदलने के लिए घुसपैठ करा रही है। आदिवासी की रोटी, बेटी, माटी को बचाना है। मेरा लंबा समय आदिवासी को देख कर गुजरा है। भारत को विकसित करने के लिए महिला को सशक्त बनाना है, ये हमलोगों का वादा है। गोगो दीदी योजना महिलाओं का सम्मान करेगी।

भाजपा नर्सिंग ट्रेनिंग मुफ्त देगी दुनियां में नर्सिंग की बड़ी मांग है, उसके लिए भाजपा नर्सिंग ट्रेनिंग मुफ्त देगी। झामुमो-कांग्रेस ने वादा पूरा नहीं किया। इसलिए दूसरे राज्य में युवाओं ने पलायन किया। 5 साल में झारखंड की हर परीक्षा में पेपर लीक हुई।

भाजपा ने आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाया तो कांग्रेस ने विरोध किया। चंपई सोरेन का अपमान किया, सीएम से हटाकर कोल्हान का अपमान किया। इस अपमान के लिए झामुमो को सजा देने का वक्त है। उसके साथ झामुमो सत्ता चला रही है।

भाजपा का गारंटी पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड

पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ भाजपा का गारंटी पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है, दूसरी तरफ कांग्रेस, झामुमो और राजद के झूठे वायदे हैं। भाजपा के पास जो नेक नियत है, वह हमारे विरोधी कहां से ला पाएंगें। कांग्रेस, झामुमो एवं राजद वालों ने गरीबों के घर के नाम पर धोखा दे दिया है।

हमें भारतीयों की चिंता मंदिर भी सुरक्षित रहें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा और हिन्दुओं के साथ मारपीट की घटना की भारत सरकार ने कड़े शब्दों में निंदा की है और कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार से मामले में तुरंत ऐक्शन लेने की मांग की है। एक बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कनाडा सरकार से मांग की कि हिंसा में शामिल लोगों पर फौरन मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उन्होंने बयान में कहा, हम कल ब्रैम्पटन, ओंटारियो में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में लिप्त लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा।

जायसवाल ने यह भी कहा कि नई दिल्ली कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित है। उन्होंने कहा, हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं। हमारे वाणिज्य दूतावास अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से नहीं रोका जाएगा।

नसीहत

■ कनाडा में हमले के बाद भारत की दो टूक नसीहत

बंटोगे तो कटोगे... अब कनाडा में गूंजा नारा

कनाडा में मौजूद हिंदू समुदाय के लोग एकजुट होकर इस हिंसा का विरोध कर रहे हैं। हिंदुओं ने वहां एकजुट होकर सबको एक होना पड़ेगा और बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे लगाए गए। ब्रैम्पटन मंदिर के पुजारी ने हिंदू समुदाय से एकजुट होकर रहने की अपील की है। हम सभी लोगों को एक रहने की जरूरत है। हम एकजुट रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पटाखों पर प्रतिबंध क्यों लागू नहीं किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिल्ली सरकार को फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ रहे वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अखबारों की खबरों को देखकर लगता है कि दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लागू नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है कि पटाखों को प्रतिबंधित क्यों नहीं किया गया? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा में पराली जलने पर भी नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने दोनों राज्य सरकारों से जवाब मांगा है।

दरअसल दिवाली के बाद से दिल्ली और एनसीआर की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। जो गंभीर श्रेणी में बदलाव का संकेत है।

सुको ने सोमवार को दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सख्त टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पटाखों पर प्रतिबंध क्यों लागू नहीं किया गया? प्रतिबंध था तो पटाखे कैसे चलाए गए? कोर्ट अब मामले मे 11 नवंबर को अगली सुनवाई करेगा।

न्यूज डायरी

कद्दू से बनी नाव पर 70 किमी की सवार, बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका के एक शख्स ने एक ऐसा कद्दू उगाया, जिसका इस्तेमाल उसने नाव के रूप में किया है। गैरी क्रिस्टेंसन नामक शख्स ने वॉशिंगटन की कोलंबिया नदी के किनारे 73.5 किलोमीटर की यात्रा की। कद्दू से बनी नाव पर यह अभी तक की सबसे लंबी यात्रा है। 46 वर्षीय इस व्यक्ति ने अपने खुद ही कद्दू को उगाया और नाव के रूप में तैयार किया। उन्होंने 26 घंटे तक कद्दू को नाव के रूप में नदी में चलाया। उन्होंने इस नाव को पंकी लोफस्टर नाम दिया। जानकारी के मुताबिक, पंकी लोफस्टर का आकार 14 फीट था। वहीं, इसका वजन 555 किलोग्राम से अधिक था। 11 अक्टूबर से ही उन्होंने कद्दू को नाव का आकार देना शुरू कर दिया था। उन्होंने नाव में एक कैमरा भी लगाया था। दिलचस्प बात है कि उन्हें नाव पर श्यह असली कद्दू हैश लिखवा दिया। गैरी क्रिस्टेंसन साल 2011 से ही कद्दू उगा रहे हैं। अमेरिका के नेब्रास्का में रहने वाले डुआने हैनसेन ने भी कद्दू की नाव पर सवारी कर चुके हैं। उन्हें भी गैरी क्रिस्टेंसन की तरह शौकिया तौर पर बड़े कद्दू, लौकी और अन्य सब्जियां उगाना अच्छा लगता है।

लाहौर में प्रदूषण ने तोड़े सारे रेकॉर्ड तो मरियम नवाज ने इंडिया पर फोड़ा ठीकरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। खासतौर से भारत से सटे शहर लाहौर में फैले स्मॉग ने आम जनजीवन मुश्किल कर दिया है। इसे देखते हुए पंजाब की मरियम नवाज सरकार ने अपने देश की केंद्र सरकार से कहा है कि वह इस मुद्दे को भारत के साथ उठाए क्योंकि भारत की ओर से आई हवाओं की वजह से स्थिति बिगड़ी है। पंजाब सरकार की ओर ये तब कहा गया है, जब लाहौर हवा के जहरीली होने के बाद स्कूलों को बंद करना पड़ा है और कई दूसरे कदम भी उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब सरकार की पर्यावण विभाग की मंत्री मरियम औरंगजेब ने रविवार को कहा कि भारत की ओर से आ रही हवाओं की वजह ये स्थिति बिगड़ी है। भारत के शहर अमृतसर और चंडीगढ़ से आने वाली पूर्वी हवाएं को उन्होंने लाहौर में वायु गुणवत्ता सूचकांक के 1,000 से ऊपर पहुंचने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। मरियम औरंगजेब ने कहा कि पंजाब प्रदूषण के मुद्दे को भारत के साथ उठाने के लिए सोमवार को उनकी सरकार अपने विदेश कार्यालय को पत्र लिखेगी। मरियम औरंगजेब ने कहा, भारत से लाहौर की ओर आ रही हव प्रदूषण के स्तर को खतरनाक स्तर तक ले जा रही है। अभी एक हफ्ते तक इसमें सुधार की उम्मीद नहीं है, ऐसे में बुजुर्गों और बच्चों को खासतौर से सावधान रहने की जरूरत है। हमारी सरकार स्मॉग पर अंकुश लगाने के संयुक्त प्रयासों पर बातचीत के लिए भारतीय अधिकारियों से संपर्क करने के लिए सोमवार को विदेश कार्यालय को पत्र लिखेगी।

सुनीता विलियम्स और दूसरे एस्ट्रोनॉट के स्पेसक्राफ्ट ने स्पेस स्टेशन में बदली जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ने अपने चार यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में नए पोर्ट पर खुद को स्थापित किया है। स्पेसएक्स ड्रैगन क्राफ्ट में भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के अलावा नासा के निक हैग और एलेक्जेंडर गोरबुनोव मौजूद हैं। इन चारों एस्ट्रोनॉट के अगले साल फरवरी में वापस धरती पर आने की उम्मीद है। सुनीता और विल्मोर बोइंग स्टारलाइनर से जबकि निक हैग और एलेक्जेंडर स्पेसएक्स से अंतरिक्ष में पहुंचे है। स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भारतीय समय के अनुसार शाम 5:05 बजे आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट से अनडॉक होकर मॉड्यूल के अंतरिक्ष की ओर वाले पोर्ट पर स्वचालित रूप से डॉक हो गया। क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान को आईएसएस में दूसरे पोर्ट पर ट्रांसफर किया गया ताकि स्पेसक्राफ्ट के कार्गो वर्जन के लिए जगह बनाई जा सके, जिसे ड्रैगन भी कहा जाता है। ड्रैगन सोमवार को तय लॉन्च के बाद खाली हुए हार्मनी पोर्ट पर डॉक करेगा। स्पेसएक्स के 31वें स्पेसएक्स वाणिज्यिक पुन आपूर्ति सेवा मिशन के तहत आईएसएस पर लॉन्च होने वाली वैज्ञानिक जांच में सौर हवा, रेडिएशन, स्पेसक्राफ्ट मैटेरियल और अंतरिक्ष में कोल्ड वेल्डिंग पर रिसर्च शामिल है।

कनाडा में खालिस्तानियों का मंदिर पर हमला

निंदा

गुस्साए हिंदू संगठनों ने लिया बड़ा फैसला, सिखों का भी मिला साथ!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओटावा। कनाडा के ब्रैम्पटन में मंदिर में हिंसा और श्रद्धालुओं के साथ मारपीट पर हिंदू संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हिंदू संगठनों ने खालिस्तानियों के बढ़ते हौसले और हिंदू समुदाय पर हमलों को देखते हुए जस्टिन ट्रूडो सरकार से सवाल किए हैं। कैनेडियन नेशनल काउंसिल ऑफ हिंदू और हिंदू फेडरेशन ने मंदिर के पुजारियों और हिंदू अधिकारों के लिए लड़ने वाले समूहों के साथ मंदिर पर हमले के बाद एक आधिकारिक बयान जारी किया है। साथ ही ये फैसला लिया है कि राजनेताओं को अब राजनीतिक उद्देश्यों के लिए मंदिर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कैनेडियन नेशनल काउंसिल ऑफ हिंदू और हिंदू फेडरेशन ने अपने बयान में कहा है कि ब्रैम्पटन में मंदिर में हमला हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करता है। खालिस्तानियों की हिंसा और हिंदुओं पर हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में इस घटना की जांच और इसमें शामिल लोगों पर कार्रवाई बहुत जरूरी है। साथ ही में फैसला लिया गया है कि मंदिरों में राजनीतिक गतिविधियों की इजाजत ना दी जाए।

ओंटारियो सिख और गुरुद्वारा काउंसिल (ओएसजीसी) ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर खालिस्तानी हिंसा की निंदा करते हुए कहा है कि हिंसा का कोई स्थान नहीं है। ओएसजीसी ने अपने बयान मे कहा, मंदिर के बाहर की घटना दुखद है। हम स्थानीय अधिकारियों से इस घटना की गहन जांच करने का आह्वान करते हैं। हम साफ करते हैं कि हमारे समाज में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। हम समुदाय के नेताओं और सदस्यों को एक साथ आने, एक–दूसरे का समर्थन करने और एकता और करुणा का माहौल बनाने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं।

कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने ब्रैम्पटन में मंदिर पर हुए हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भारतीय उच्चायोग ने कहा है, हमने तीन नवंबर को टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिन्दू सभा मंदिर के साथ मिलकर कैंप लगाया था। इस दौरान भारत विरोधी लोगों ने यहां पहुंचकर हिंसा की। स्थानीय आयोजकों के सहयोग के साथ चल रहे उच्चायोग के रूटीन काम में इस तरह का हंगामा निराशाजनक है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और विपक्षी नेता पोइलिवरे ने इस घटना की निंदा की है। जस्टिन ट्रूडो ने एक्स पर लिखा, ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। सभी कनाडाई लोगों को अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित रूप से पालन करने का अधिकार है। कनाडा में विपक्ष के नेता पियरे पोलीवरे ने मंदिर पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि हर कनाडाई शांति से अपने धर्म का पालन कर सकता है। हम इस हमले की निंदा करते हैं।

स्वेज नहर से गुजरा मिसाइलों से लैस इजरायली युद्धपोत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज तेलअवीव। पश्चिमी एशिया में जारी तनाव और गहराता जा रहा है। इजरायल के मिसाइलों बारिश की बाद अब ईरान के जोरदार पलटवार का खतरा मंडरा रहा है। ईरान ने कहा है कि वह इस बार और भी ज्यादा घातक बमों, किलर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करेगा जिसका उसने अभी तक इस्तेमाल नहीं किया है।

इस बीच अमेरिका ने ईरान को हमला नहीं करने को लेकर चेतावनी दी है। वहीं इजरायल ने भी अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर दिया है और अपने युद्धपोत को ईरान की सीमा के पास रवाना किया है। इजरायल का यह युद्धपोत किलर मिसाइलों से लैस है और स्वेज नहर के रास्ते लाल सागर में प्रवेश किया है। स्वेज नहर पर मिस्र का नियंत्रण है और इस वजह से उसकी काफी आलोचना हो रही है। इस आलोचना पर मिस्र ने जवाब दिया है।

मिस्र सरकार के स्वेज नहर प्राधिकरण ने कहा है कि सभी तरह के जहाजों को फिर वे चाहे व्यापारिक हों या फिर सैन्य, उन्हें इस समुद्री रास्ते से स्वतंत्रतापूर्वक गुजरने का पूरा हक है। इससे पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसमें दिखाया जा रहा था कि मिस्र की नौसेना की सुरक्षा में इजरायली युद्धपोत स्वेज नहर से गुजर रहा है।

हिजाब के खिलाफ लड़की ने उतारे कपड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ईरान। शरिया कानून को सख्ती से लागू करने वाले ईरान में कुछ दिनों पहले एक ऐसी घटना घटी, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया कि ईरान के इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी में एक छात्रा, इनरवियर पहनकर कैंपस में घूम रही है। दावा किया गया कि लड़की ने इस्लामिक परिधान (हिजाब) के विरोध में अपने कपड़े उतारे। बताया जा रहा है कि लड़की का नाम अहौ दारयाई है। जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी में अर्धनग्न घूमने के आरोप में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। बता दें कि ईरान में हिजाब न पहनने से जेल की सजा है। कुछ दिनों पहले पुलिस ने कहा था कि छात्रा गंभीर मानसिक दबाव (मेंटल हेल्थ इश्यू) से जूझ थी। पूछताछ के बाद उसे मनोरोग अस्पताल भेज दिया गया है।

जहां से दो बार जीते ट्रंप वहीं से अब कमला हैरिस को मिली बढ़त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ट्रंप या कमला हैरिस? भारत के लिए कौन बेहतर

नई दिल्ली। अमेरिकी के राष्ट्रपति चुनाव में अब बस कुछ ही घंटे बाकी है। डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। तमाम सर्वे यही बात बयां कर रहे हैं। इसी बीच चुनाव से ऐन पहले पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को झटका लगता दिख रहा है। प्राइमरी चरण के दौरान आयोवा को डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ही पार्टियों ने नजरअंदाज किया था, लेकिन अब वही चुनावी जंग में एक स्विंग स्टेट बनने की क्षमता रखता दिख रहा है। एक सर्वे के अनुसार, यहां से हैरिस ने ट्रंप पर बढ़त बना ली है। नवीनतम सर्वेक्षण में ये सामने आया है कि हैरिस महिलाओं और स्वतंत्र मतदाताओं के समर्थन से ट्रंप पर 47 प्रतिशत से 44 प्रतिशत आगे चल रही हैं।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है। चुनाव से पहले अमेरिकी नागरिकों को लुभाने में दोनों नेताओं ने पूरा दम लगा दिया है। इसी बीच भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की संभावना जताई है। वहीं, श्री थानेदार ने ट्रंप के तानाशाही रवैय्ये पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के सत्ता में आना भारत के साथ संबंधों के लिए अच्छा नहीं होगा।

श्री थानेदार ने भारतीय वोटर्स के महत्व का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट में कमला हैरिस के लिए बढ़त मिली है। साल 2016 में मिशगिन राज्य में ट्रंप ने जीत हासिल की थी। न्होंने कहा कि महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों की बेहतरी पर कमला हैरिस का ध्यान है। वहीं, ट्रंप ने अल्पसंख्यकों का अपमान किया है। नस्लीय भेदभाव, अप्रवासियों के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की है। उनका झुकाव धनी कॉर्पोरेट्स की ओर रहता है। श्री थानेदार ने आगे कहा,ष्भारतीय–अमेरिकी एक अखंड समाज नहीं हैं, उनके अलग–अलग दृष्टिकोण, सामाजिक, आर्थिक और प्रवासन मुद्दे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि वे दोनों उम्मीदवारों का अध्ययन करें क्योंकि उनके बीच रात और दिन का अंतर है।

तेजस पर अमेरिका ने दिया धोखा तो ऐक्शन में आया दोस्त रूस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। अमेरिका ने रूस और गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर चल रहे द्विपक्षीय तनाव के बीच तेजस फाइटर जेट को लेकर एक बार फिर से भारत को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका की जीई एयरोस्पेस कंपनी ने भारत के स्वदेशी तेजस एमके1ए फाइटर जेट के इंजन की सप्ल्लाई को अब साल 2025 तक के लिए टाल दिया है। इससे भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण के कार्यक्रम को बहुत बड़ा झटका लगा है। वह भी तब जब भारतीय मिग–21 विमान रिटायर हो रहे हैं और दूसरी तरफ चीन से लेकर पाकिस्तान तक बहुत बड़े पैमाने पर अपनी वायुसेना में अत्याधुनिक फाइटर जेट शामिल कर रहे हैं। अमेरिकी धोखे के बीच दोस्त रूस ने भारत को अपने नए और अत्याधुनिक सुखोई विमानों को लेकर बड़ा ऑफर दे दिया है। रूस ने सुखोई–75 चेकमेट और सुखोई–35 को लेकर यह बड़ा ऑफर दिया है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

आस्था

पांच सौ से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने

इस यात्रा वर्ष पौने दो लाख श्रद्धालु पहुंचे श्री तुंगनाथ

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट आज पूर्वाह्न 11 बजे शुभ मुहूर्त पर विधि–विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गये है। इस अवसर पर मंदिर को सजाया गया था।

कपाट बंद होने के बाद भगवान श्री तुंगनाथ जी की उत्सव डोली ने स्थानीय वाद्य यंत्रों ढोल–दमाऊं सहित बाबा तुंगनाथ के जय उदघोष के साथ प्रथम पड़ाव चोपता को प्रस्थान किया इस अवसर पर पांच सौ से अधिक श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के अवसर पर अपने संदेश में श्री बदरीनाथ– केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा वर्ष एक लाख सत्तर हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने भगवान तुंगनाथ जी के दर्शन किये। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने भी कपाट बंद होने अवसर पर श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

कपाट बंद होने के एक दिन पहले 3 नवंबर को श्री तुंगनाथ मंदिर में यज्ञ–हवन किया गया था। सोमवार प्रातः साढ़े चार बजे मंदिर खुल गया था। प्रातः कालीन पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं ने भगवान तुंगनाथ जी के दर्शन किये। ठीक दस बजे से मंदिर गर्भगृह में कपाट बंद की प्रक्रिया शुरू हुई।

भगवान तुंगनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को श्रृंगार रूप से समाधि स्वरूप में ले जाया गया। शिवलिंग को स्थानीय पुष्पों, फल पुष्पों, अक्षत से ढक दिया गया।

इसके बाद मठापति रामप्रसाद मैठाणी, प्रबंधक बलबीर नेगी डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित,की उपस्थिति में पुजारी अतुल मैठाणी तथा अजय मैठाणी ने तुंगनाथ मंदिर के कपाट बंद किये। कपाट बंद होने के बाद मंदिर समिति कर्मचारियों तथा श्रद्धालुओं के साथ मंदिर की परिक्रमा पश्चात अखोड़ी और हुडु गांव के हक–हकूकधारी भगवान तुंगनाथ जी की चल विग्रह डोली के साथ चोपता को प्रस्थान हुए।

बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि 4 नवंबर सोमवार को भगवान तुंगनाथ जी की चल विग्रह डोली चोपता प्रवास करेगी। उन्होंने बताया कि 5 नवंबर तथा 6 नवंबर को चलविग्रह डोली दूसरे पड़ाव भनकुन प्रवास करेगी। इसके बाद 7 नवंबर को भगवान तुंगनाथ जी की चलविग्रह डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में विराजमान हो जायेगी। इसके साथ ही श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में भगवान तुंगनाथ जी की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो जायेगी।

न्यूज डायरी

बदरीनाथ धाम की यात्रा के अंतिम दौर में बड़ी संख्या में दर्शनों को पहुंच रहे तीर्थयात्री

संवाददाता चमोली। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 17 अप्रैल को शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इन दिनों यात्रा के अंतिम दौरान में धाम में बड़ी संख्या में तीर्थयात्री बदरीनाथ धाम पहुंच रहे हैं। इस वर्ष अभी तक 13 लाख से अधिक तीर्थयात्री भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर चुके है। तीर्थयात्रियों की आमद को देखते हुए बीकेटीसी के अधिकारियों का मानना है कपाट बंद होने तक यह आकड़ा 15 लाख को भी पार कर जाएगा। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि बदरीनाथ धाम में श्राद्ध पक्ष में बढ़ी तीर्थयात्रियों की आमद वर्तमान तक जारी है। यहां प्रतिदिन 10 से 12 हजार तीर्थयात्री भगवान बदरी विशाल के दर्शनों को पहुंच रहे हैं। जिससे इन दिनों तापमान में कमी आने के बावजूद धाम में चहल पहल बनी हुई है। वहीं नगर पंचायत की ओर से ठंड को देखते हुए धाम में तीर्थयात्री व राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है।

एक दिवसीय जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यशाला का किया गया आयोजन

संवाददाता चमोली। उत्तराखण्ड बाल संरक्षण आयोग द्वारा बाल अधिकार एवं सुरक्षा पर सोमवार को जीरो बैंड स्थित बॅंक्वेट हॉल में एक दिवसीय जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना ने किया। उन्होंने कहा कि परिवार ही बच्चे की प्रथम पाठशाला होती है। वहीं बच्चे अच्छा बुरा सीखते हैं। जब हम खुद जागरूक होंगे, तभी अपनी रक्षा कर सकते हैं। कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यही है कि हम बच्चों की समस्याएं सुन सकें और अधिकारियों से उनके निस्तारण को लेकर चर्चा कर सकें। जो भी बच्चों से संबंधित समस्याएं हैं, मुश्किले हैं, उनका पता लगाकर दूर सकें।

पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में की शानदार कमाई

संवाददाता देहरादून। ओईएम के लिए विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले ऑटोमोटिव पार्ट्स की वाइड रेंज के मैन्युफैक्चरिंग करने वाली अग्रणी कंपनी पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसईरू 543915, एनएसईरू पावनाआईएनडी) ने 28 अक्टूबर 2024 को आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में 30 सितंबर 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और छमाही के लिए अपने अ–लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी है। 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही (स्टैंडअलोन) के लिए, कंपनी की परिचालन आय 79.52 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। एबिटा 9.97 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) रही, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही से 44 प्रतिशत अधिक है।

श्री केदारनाथ धाम की इस वर्ष की यात्रा सफलतापूर्वक हुई संपन्न

संवाददाता रुद्रप्रयाग। वर्ष 2024 की 11वें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम की यात्रा रविवार को प्रातः 8:30 बजे मंत्रोच्चारण के साथ भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकालीन हेतु बंद हो गए हैं। इस अवसर पर 18 हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।

श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से संपादित कराने के लिए यात्रा व्यवस्थाओं में लगे अधिकारियों–कार्मिकों, सुरक्षा बलों, तीर्थ पुरोहितों आदि का जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यात्रा में कई चुनौतियां सामने आई हैं। 31 जुलाई को आई भारी आपदा के कारण केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में फंसे 15 हजार से अधिक फंसे यात्रियों को सकुशल निकाला गया तथा क्षतिग्रस्त यात्रा मार्ग को तत्परता से कार्य करते हुए यात्रा हेतु एक माह से कम समय में सुचारू किया गया। उन्होंने कहा कि इस कठिन परिस्थितियों के बावजूद भी बाबा के भक्तों के उत्साह एवं श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई तथा भक्तों ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए।

उन्होंने यात्रा में लगे सभी नोडल अधिकारियों–कार्मिकों, सुरक्षा बलों, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, आईटीबीपी, स्वास्थ्य विभाग की टीम, तीर्थ पुरोहितों, मंदिर समिति सहित मीडिया बंधुओं का भी केदारनाथ यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर प्रमुखता से खबरों का प्रकाशन के लिए आभार व्यक्त किया।

एस्ट्रो विलेज बेनीताल में आयोजित होगी नक्षत्र सभा

संवाददाता चमोली। चमोली जिला प्रशासन द्वारा स्टार्सकेप्स और उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से नक्षत्र सभा की अगली कड़ी बेनिताल घाटी में 08 से 10 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम अद्वितीय खगोलीय अवलोकन, एस्ट्रो फोटोग्राफी सत्र, और सांस्कृतिक समर्पण का अनुभव प्रदान करेगा। जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय ने बताया कि प्रतिभागियों को इस बार शानदार तौरिड्स उल्का वर्षा देखने का मौका मिलेगा। साथ ही, नंदा देवी जैवमंडल रिजर्व के निकटता से स्थानीय वनस्पति और जीवों पर चंद्रमा के चक्रों के प्रभावों के बारे में जानकारी मिलेगी। यह कार्यक्रम सभी आयु समूहों के लिए खगोल विज्ञान को सुलभ और रुचिकर बनाने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आसपास के ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़े, जिससे यह पर्यटन के साथ साथ आजीविका का स्रोत बनकर निकले।

दीपावली मनाकर अपने कार्यस्थल लौट रहे थे अधिकतर लोग...

संवाददाता

अगर नियमित चेकिंग होती तो हादसा टाला जा सकता था

अल्मोड़ा। जीएमओयू की ओवरलोड बस सल्ट तहसील स्थित कूपी के पास अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर खाई में जा गिरी। बस में 60 यात्री सवार थे, जिसमें से 36 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि दुर्घटना में 24 यात्री गंभीर रूप घायल हो गए। यह हादसा कमानी पट्टा टूटने से हुआ। सोमवार की सुबह छह बजे गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन लिमिटेड की एक बस संख्या यूके12पीए–0061 पौड़ी जिले के नैनीडांडा ब्लाक स्थित के बारातकिनाथ से 60 यात्रियों को लेकर रामनगर के लिए रवाना हुई थी। अधिकतर यात्री दीपावली की छुट्टी में घर आये थे और वह अपने कार्य क्षेत्र को लौट रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची राहत और बचाव कार्य चलाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाड़ी ओवरलोड थी। गाड़ी में कुछ जोर से आवाज आई। शायद कमानी पट्टा टूट गया हो। जिसके बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। घटना के बाद कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, डीएम आलोक पांडे, एसएसपी देवेंद्र पींचा मौके पर पहुंचे।

ज्यूखड़ाचौड़ा बैंड पर जिस जगह से बस खाई में गिरी थी वहां पर गाड़ी का कमानी पट्टा भी गिर गया था। संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारी मौके से वह पट्टा जांच के लिए अपने साथ ले गए। पुलिस, प्रशासन व एसडीआरएफ की टीम पहुंचने से पहले कूपी क्षेत्र के ग्रामीणों ने मौके में पहुंचकर रेस्क्यू का कार्य चलाया।

चालक सहित 43 यात्रियों के लिए पास जीएमओयू की बस 2009 में खरीदी गई थी। बस इंदुदेवी निवासी बिरखेत, पोस्ट दिगोलीखाल, जिला पौड़ी के नाम पंजीकृत है। 60 यात्रियों से ओवरलोड बस दो घंटे करीब 40 किमी तक चली, लेकिन इस दौरान ना तो पुलिस ना ही एआरटीओ की नजर इस पर नहीं पड़ी। अगर नियमित चेकिंग होती तो हादसा टाला जा सकता था। अल्मोड़ा के डीएम आलोक कुमार पांडे का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। प्रथम दृष्टया तकनीकी खराबी की बात सामने आ रही है।

गलत सूचना देने से हल्द्वानी आ पहुंचे घायल के माता-पिता

संवाददाता हल्द्वानी। गोलीखाल पौड़ी गढ़वाल की रहने वाली गीतांजलि का बेटा भी मर्चूला के पास हुए बस हादसे में घायल हो गया था। सोमवार सुबह जब गीतांजलि को पता चला कि उनका बेटा बस हादसे में घायल हो गया है तो वह आनन–फानन में रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचीं। यहां उन्होंने अपने बेटे से मुलाकात की। उनके बेटे को हायर सेंटर रेफर किया जाना था। घायलों की पुख्ता जानकारी देने के प्रबंध न होने से गीतांजलि को बेवजह रामनगर से हल्द्वानी तक की दौड़ लगानी पड़ गई। इस बीच रामनगर में किसी ने गीतांजलि को गलत जानकारी दे दी कि उनका बेटा डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी रेफर किया गया है। इस पर वह हल्द्वानी पहुंच गईं। हल्द्वानी पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनके बेटे को एसटीएच हल्द्वानी नहीं बल्कि एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

मूर्ख व्यक्ति ज्ञानियों से भी कुछ नहीं सीख पाता, और ज्ञानी व्यक्ति मूर्खों से भी बहुत कुछ सीख लेता है। –अज्ञात

बढ़ी हुई आकांक्षा

कुछ ही समय पहले यूपी में दस सीटों पर हो रहे उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने भी कुछ ऐसा ही किया था। कांग्रेस को विश्वास में लिए बगैर दस में से छह सीटों पर उसने अपने उम्मदीवार उतारने की घोषणा कर दी।

अनुज श्रीवास्तव।।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद जब विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक को ज्यादा तालमेल और एकजुटता दिखाने की जरूरत थी, तब झारखंड में सीट बंटवारे के सवाल पर उसमें बिखराव दिख रहा है। आलम यह है कि गठबंधन का पुराना सहयोगी दल त्श्रक साफ शब्दों में कह रहा है कि उसके सभी विकल्प खुले हैं।

दिलचस्प है कि सीटों के बंटवारे पर घोषणा से पहले न केवल कांग्रेस नेता राहुल गांधी बल्कि आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव भी रांची में थे। फिर भी, मीडिया में सीट बंटवारे पर सहमति का एलान करते हुए त्श्रक या लेफ्ट का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई नहीं था। एकतरफा घोषणा कर दी गई कि 81 में से 70 सीटों पर कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा लड़ेंगे। बाकी सीटें अन्य दलों यानी आरजेडी और सीपीआई–एमएल को दी जानी हैं। मगर किसे कितनी सीटें मिलेंगी, इसे लेकर फिलहाल अटकलबाजी ही चल रही है।

कुछ ही समय पहले यूपी में दस सीटों पर हो रहे उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने भी कुछ ऐसा ही किया था। कांग्रेस को विश्वास में लिए बगैर दस में से छह सीटों पर उसने अपने उम्मदीवार उतारने की घोषणा कर दी। वैसे तो राज्यों के चुनावों में पार्टियों का ऐसा रुख पहले भी दिखता रहा है, लेकिन खासकर हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद इंडिया के क्षेत्रीय घटक दलों की ओर से उसे दबाव में लाने की कोशिश देखी गई। ऐसे में क्या झारखंड में श्रडड के साथ मिलकर दिखाया गया यह रुख उन दलों को कांग्रेस का जवाब है?

वैसे, अगर पिछले चुनावों के आंकड़ों की कसौटी पर देखें तो सीट बंटवारे का जेएमएम–कांग्रेस फॉर्म्युला ज्यादा अटपटा नहीं लगता। पिछले विधानसभा चुनाव में त्श्रक ने सात सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे और एक सीट पर उसे जीत मिली थी। पांच सीटों पर वह दूसरे नंबर की पार्टी थी। ऐसे में उसे छह सीटों की पेशकश एक स्तर पर तर्कसंगत ही कही जाएगी। आरजेडी हालांकि इसे राज्य में अपने बढ़े हुए प्रभाव के आधार पर गलत करार दे रहा है। उसका कहना है कि आपसी बातचीत से मिलजुलकर कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए था। दूसरे शब्दों में, उसे कुछ ज्यादा सीटें दी जानी चाहिए थीं।

खास बात यह कि कोई सर्वसम्मत फॉर्म्युला न निकाले जाने पर उसने 15 से 18 सीटें ऐसी बताई हैं जिन पर उसे भरोसा है कि राष्ट्रीय जनता दल, बीजेपी को हरा भी सकता है। अगर इसे बढ़ा–चढ़ाकर दिया गया बयान मान भी लें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पार्टी इन सीटों पर इंडिया ब्लॉक की संभावनाएं बिगाड़ सकती है। आखिर, हरियाणा में कुछ हजार वोटों के अंतर से बीजेपी के हाथ तीसरी बार सत्ता की चाबी लगी। इसलिए अच्छा होगा कि इंडिया ब्लॉक में आपसी तालमेल बेहतर हो।

बिजनेस

अशोक वोहरा। शालू जब भी जलेबी की दुकान बोलती थी उसके दुकान के सामने बच्चे जो किया ना होते हैं वहां जाते थे लेकिन सालों से बिल्कुल भी अच्छा नहीं करती थी। को सब्जी अनाथ बच्चों को मदद किया करते थे जिस कारण से वह व्यक्ति है देख कर बहुत ज्यादा खुश हो जाता था। शालू हमेशा से ही ऐसे ही काम किया करती थी वह अनेक वाली काम तथा धार्मिक वाली काम बहुत ज्यादा किया करती थी। जो बूढ़ा व्यक्ति उसके जलेबी बनाने वाली बिजनेस में मदद किया था वह भी आसपास देखकर बहुत ज्यादा मुस्कुराया करता था। महीने के अंत तक पहुंच गया था बिजनेस बहुत अच्छी चल रही थी कि फिर से जिलेबिया लोगों को बहुत ज्यादा पसंद आ रही थी। जो बूढ़ा व्यक्ति उसके साथ जिलेबिया बनाया करता था वह हंस जलेबियां बनाने में बहुत ज्यादा निपुण था जिस कारण से सभी लोगों को उसकी जिलेबिया काफी ज्यादा पसंद आ रही थी।**...शेष कल**

संपादकीय

बदल गई रणनीति

इस्राइल ने रणनीति बदली और हिजबुल्ला के कमांडरों को खत्म करने के काम में लग गया। इसमें प्रमुख भूमिका निभाई सिग्नल इंटेलिजेंस यूनिट 8200 ने। उसने हिजबुल्ला के मोबाइल फोन और अन्य संचार साधनों को पकड़ने के लिए साइबर टूल्स बनाए, सेना और एयरफोर्स को अहम जानकारियां दीं। इसमें अमेरिकी नैशनल सिक्यॉरिटी एजेंसी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसने यूनिट 8200 के साथ ईरान और हिजबुल्ला की गतिविधियों से जुड़ी अहम सूचनाएं साझा कीं। तभी इस्राइल हिजबुल्ला के अन्य कमांडरों और नसरल्लाह तक पहुंच सका। फिलहाल हिजबुल्ला के पास अपनी मिलिटरी स्ट्रेंथ है, जो इस्राइल को हरा नहीं तो थका अवश्य सकती है। उसके पास बड़ी संख्या में प्रशिक्षित फाइटर्स हैं, जिन्हें युद्ध लड़ने का अनुभव भी है। सेंटर फॉर स्ट्रैटिजिक एंड इंटरनैशनल स्टडीज थिंक टैंक के अनुसार उसके पास लगभग 1,20,000 से 2,00,000 रॉकेट और मिसाइलें हैं, अच्छी तरह से निर्मित बंकर्स और डिफेंस सिस्टम्स हैं। इस दृष्टि से यह दुनिया का सबसे बड़ा नॉन स्टेट एक्टर है। यही नहीं, अब तो ईरान भी इस जंग में उतरा नजर आ रहा है। तो क्या सचमुच यह मान लेना होगा कि दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है?

साफ संकेत यह है कि ईरान सीधे हमले के साथ ही प्रॉक्सी वॉर भी तेज कर सकता है। जाहिर है, अब सबसे बड़ा डर यह पैदा हो गया है कि क्या यह युद्ध फैल जाएगा?

युद्ध फैलने का डर

रहीस सिंह।।

27 सितंबर की शाम को इस्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिण हिस्से में स्थित हिजबुल्ला मुख्यालय को ध्वस्त कर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर एक पोस्ट लिखा– 'हसन नसरल्लाह अब दुनिया को आतंकित नहीं कर पाएगा।' लेकिन मामला यहां रुकना नहीं था, रुका नहीं। ईरान ने इस्राइल पर सीधा मिसाइली हमला तो किया ही है, डेनमार्क में इस्राइली दूतावास के पास बम विस्फोट की भी खबर है। साफ संकेत यह है कि ईरान सीधे हमले के साथ ही प्रॉक्सी वॉर भी तेज कर सकता है। जाहिर है, अब सबसे बड़ा डर यह पैदा हो गया है कि क्या यह युद्ध फैल जाएगा? अगर हां तो इसका दायरा कितना बड़ा होगा और यह कितना लंबा चलेगा?

जहां तक इस्राइल की बात है तो जिस तरह से वह हमास के बाद हिजबुल्ला के पीछे पड़ा दिख रहा है, उससे सवाल उठता है कि आखिर उसका असली दुश्मन कौन है? जैसा कि इस्राइल के पूर्व प्रधानमंत्री बेनेट कह चुके हैं कि तेहरान ऑक्टोपस का सिर है, तो लेबनान में हिजबुल्ला, गाजा में हमास और यमन में हूती उसके हाथ हैं। ऐसे में, क्या सचमुच इस्राइल ऑक्टोपस के हाथों को काटने या कमजोर करने के लिए वाले युद्धों के जरिए खुद को थका डालने का रिस्क

ले रहा है?

हिजबुल्ला एक आतंकवादी संगठन है, इसलिए उसका खात्मा जरूरी है, लेकिन यह बात विशेषज्ञ पहले से कह रहे हैं कि इस्राइल अपनी वास्तविक ताकत का इस्तेमाल तेहरान के बजाय बेरूत के खिलाफ करे, यह उसके लिए नुकसानदेह हो सकता है। ध्यान रहे, लेबनान एक मिश्रित आबादी वाला देश है, जिसमें ईसाई और सुन्नी हिजबुल्ला के साथ कभी नहीं हो सकते। हालांकि, इस्राइल ऐसी एयर स्ट्राइक्स को हिजबुल्ला के रॉकेट और मिलिटरी स्टैब्लिशमेंट को ध्वस्त करने के लिए जरूरी मानता है। उसके अनुसार हिजबुल्ला सिविलियंस को 'ह्यूमन शील्ड' की तरह इस्तेमाल कर रहा है। दूसरी तरफ ईरान इस्राइली कार्रवाई को 'मास मर्डर' कहता रहा है। हानिया की मौत के बाद ही उसने कहा था कि इस्राइल रेड लाइन क्रॉस कर रहा है और वह इसका बदला अवश्य लेगा। हिजबुल्ला प्रमुख नसरल्लाह के मारे जाने के बाद तो यह अवश्यंभावी हो गया था। अगर यह मान लिया जाए कि ईरान मिसाइली हमले के बाद अपना बदला पूरा हुआ मान लेता है तब भी यह सवाल बाकी रहता है कि इस्राइल इसका कब और कैसा जवाब देने वाला है और फिर ईरान से उस पर कैसी प्रतिक्रिया आती है। यह सवाल भी है ही कि इन सबमें अमेरिका का रुख कैसा होता है। फिलहाल यह सवाल बहुतों को मथ रहा है कि आखिर इस्राइल हिजबुल्ला प्रमुख को निशाना बनाने में कैसे सफल हो गया। यहां प्रमुख रूप से तीन बातें हैं। पहली, डिफेंस स्ट्रैटेजी, दूसरी, रियल टाइम इंटेलिजेंस और तीसरी, रियल टाइम टारगेट।

यह एक लंबी रणनीति थी जिसे आप 'मोइंग द ग्रास स्ट्रैटेजी' नाम दे सकते हैं। इस्राइल निरंतर इस पर कार्य करता रहा जिसमें रियल टाइम इंटेलिजेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण पेजर बम है, जिसमें लगभग 3000 के आसपास हिजबुल्ला लड़ाके घायल हुए। इसी रणनीति की बदौलत इस्राइल 27 सितंबर को नसरल्लाह का खात्मा करने में कामयाब रहा।

अष्टयोग-5083

4	1			2		3
	35	6	30	1	32	7
7	5		3		4	
	29	2	31	4	31	
2	4				6	
	29		40	5	34	6
5	1	3		7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5082 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	39	1	29	6	26	5
5	6	7	1	2	3	4
4	30	2	25	1	34	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग
लंबा चला अभियान

मोहन। थोड़ा पीछे हटकर देखें तो 1992 में तत्कालीन हिजबुल्ला प्रमुख सैयद अब्बास मुसावी को मारने के बाद इस्राइल ने सोचा था कि हिजबुल्ला भी मुसावी के साथ ही मर जाएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जब वर्ष 2000 में इस्राइल को लेबनान के दक्षिण क्षेत्र से 22 वर्षों के बाद अपना सैन्य नियंत्रण के बाद हटाना पड़ा तो इसका श्रेय हिजबुल्ला चीफ को चला गया। इससे उसके मिलीशिया ऑपरेशंस को बल मिला। दूसरा अहम पड़ाव रहा वर्ष 2006, जब इस्राइल–हिजबुल्ला संघर्ष 34 दिन बाद संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से समाप्त हुआ था। हालांकि यह हिजबुल्ला की जीत नहीं थी लेकिन हसन नसरल्ला एक मिलिटरी स्ट्रैटेजिस्ट के रूप में स्थापित हो गया। दरअसल, 2006 तक आते–आते इस्राइल समझ चुका था कि हिजबुल्ला को खत्म करना आसान नहीं है। इसलिए उसने हिजबुल्ला कमांडरों को निशाना बनाने का फैसला किया।

हम बेटियों को अपने माथे पे दउरा उठाकर घाट जाने का रस्म क्यों नही

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह कभी पवन सिंह को लेकर तो कभी अपने लाइव इवेंट को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हालांकि, इस वक्त अक्षरा का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इस पोस्ट में अक्षरा सिंह छठ पूजा और महिलाओं को लेकर कुछ सवाल उठाती दिख रही हैं। अक्षरा सिंह ने अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो बिना मेकअप के दिख रही हैं। उन्होंने अपने इस पोस्ट में आस्था के महापर्व छठ का जिक्र किया है। उन्होंने सवाल किया है कि छठ का दउरा महिलाएं क्यों नहीं उठा सकतीं? ना जाने कितने साल से छठ का ये पारंपरिक गीत गाया जाता है और जब जब मैं इस गीत कि यह पंक्ति सुनती हूं तो मन में यह खघ्याल आता है कि जो महिला छठ पूजा के प्रत्येक रस्म को (खरना से समाप्ति तक) इतनी श्रद्धा और मेहनत से तीन दिन उपवास रखकर करती है। उसी महिला को अपने माथे पे दउरा उठाकर घाट जाने का रस्म क्यों नहीं है ? क्यों कोई देव ही कहरीया बने कोई दवी क्यों नहीं हो सकती ? एक बेटी होने के नाते मेरी हथजोड़ी है कि बदलते परिवेश में हमारा समाज इसपर विचार करें कि जिस घर में बेटा नहीं क्या वहां छठ नहीं हो सकता? और यह विचार इसलिए भी प्रबल हुआ क्योंकि पहली बार मैं भी छठ कर रही हूं। छठी मईया की जय।

जलसा के बाहर रात के अंधेरे में अकेली दिखीं जया बच्चन

दिवाली के मौके पर मायानगरी मुंबई की रौनक थोड़ी और बढ़ी नजर आई। जहां इन दिनों दिवाली पार्टी खूब रही और बढ़–चढ़कर फिल्मी सितारों ने इसमें हिस्सा लिया है। दिवाली के मौके पर अमिताभ बच्चन वाइफ जया और बेटी श्वेता के साथ श्जलसाश् में लक्ष्मी पूजन करने पहुंचे, जिसकी झलकियां भी सामने आईं। इन्हीं वीडियोज में से एक वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स की निगाहें थम गई हैं और उनमें से कुछ ने भद्दे कॉमेंट भी किए हैं। अमिताभ बच्चन के वीडियो के साथ–साथ जलसा के बाह से जया का भी एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को देखने के बाद से सोशल मीडिया पर मौजूद आलोचक टूट पड़े हैं। हालांकि, यहां कई ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने उनकी कमियां निकालने वालों को खूब जमकर सुनाया है। दरअसल सोशल मीडिया पर जलसा के बाहर से बीती रात का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में जया न तो कुछ कह रही हैं और न ही इस बार पपाराजी से उलझी हैं। इसके बावजूद आलोचक बाल की खाल निकालने से बाज नहीं आ रहे। इस वीडियो को देखकर कुछ ने लिखा है– सुना है दिवाली के आसपास ही हैलोवीन भी सेलिब्रेट कर रहे हैं। एक और ने फिल्म स्त्री का फेमस डायलॉग लिखा है– ओ स्त्री कल आना।

गौहर खान के साथ ये 10 दमदार सिपाही बढ़ाएंगे देश का मान–सम्मान

शाहरुख खान के जन्मदिन पर फौजी 2 के मेकर्स ने फैंस को एक शानदार ट्रेलर की रिलीज का तोहफा दिया है, जिसने दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है। ये वही शो है जिससे शाहरुख खान ने अपने करियर की शुरुआत की थी। फौजी 2 में गौहर खान और विक्की जैन जैसे कलाकार हैं, जो फौजी की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। गौहर खान इस ग्रुप को लीड कर रही हैं, उन्होंने अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए कहा, हमारे समय के सबसे फेमस शोज में से एक बनाने के लिए इस तरह की टीम जादुई है। मैं ऐसे शो का हिस्सा बनने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं जिसने कई दिलों को छू लिया। इस वर्जन के साथ हमने क्या बनाया है, इसे हर कोई देखने के लिए इंतजार कर रहा है। फौजी एक भावना है, इसलिए यह हमारी भी जिम्मेदारी है कि उस शो ने सभी को जो दिया, उसकी विरासत को कायम रखें। फौजी 2 को स्क्रीन पर वापस लाने वाले मेकर संदीप सिंह ने मेन क्लासिक पर बात की और कहा, फौजी 2 उस क्लासिक शो को डेडिकेटेड है जिसने हमें शाहरुख खान की प्रतिभा से परिचित कराया। हम एक नया वर्जन ला रहे हैं जिसका उद्देश्य दर्शकों को उसी भावना और रोमांच से भरना है।

सोमी अली का दावा सलमान को अंडरवर्ल्ड से मिली थी धमकी

सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली लगातार लॉरेंस बिश्नोई संग एक्टर के झगड़े पर टिप्पणी कर रही हैं। उन्होंने गैंगस्टर से बात करने से लेकर भाईजान के बारे में खुलकर काफी कुछ कहा है। उन्होंने कई चौंकाने वाले फैक्ट्स बताए हैं। अब उन्होंने 90 के दशक में सुपरस्टार को अंडरवर्ल्ड से एक धमकी भरे कॉल के बारे में सनसनीखेज खुलासा किया है। बताया कि उस वक्त वह रिलेशनशिप में थीं। सोमी अली खान ने अंडरवर्ल्ड और बॉलीवुड के बारे में बात की। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि 90 के दशक में दाऊद इब्राहिम के साथ बॉलीवुड के संबंध होने की चर्चा रहती थी, तो क्या उन्होंने डॉन के साथ सलमान के संबंध के बारे में कुछ सुना या देखा था। तो सोमी ने कहा, श्मैंने उसके बारे में कई बातचीत सुनी थी लेकिन किसी ने सीधे तौक पर दाऊद का नाम नहीं लिया था। न ही किसी ने छोटा शकील के बारे में बात की थी। लोग उन्हें अंडरवर्ल्ड कहते थे।

सोमी अली का दिव्या भारती संग दोस्ती का दावा

सोमी ने आगे कहा, दिव्या भारती मेरी सबसे अच्छी दोस्त थी। बेंगलुरु में आंदोलन की शूटिंग के दौरान हम बहुत करीब आ गए थे। मैंने दिव्या से पूछा कि अंडरवर्ल्ड क्या है तो उसने पूछा कि क्या आप जानते हैं कि माफिया क्या होता है? मैंने कहा हां अमेरिका में इटैलियन माफिया है। दिव्या ने कहा अंडरवर्ल्ड और माफिया एक जैसे हैं।

सलमान खान को आया था अंडरवर्ल्ड से धमकीभरा कॉल

सोमी ने दावा किया कि सलमान खान को लैंडलाइन पर धमकी भरे कॉल आते थे। मैं सलमान के साथ उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट में तीन साल तक रही। एक बार मुझे हमारे बेडरूम के लैंडलाइन पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कॉल आया। दूसरी तरफ से व्यक्ति ने मुझे अगवा करने की धमकी देते हुए कहा, सलमान को बोल देना, सोमी अली को हम उठा ले जाएंगे।

सलमान खान से सोमी ने किया था सवाल

सोमी ने आगे बताया, जब मैंने सलमान को इस बारे में बताया तो वह घबरा गए। लेकिन उन्होंने स्थिति को संभाल लिया। हालांकि उन्होंने मुझे कभी नहीं बताया कि उन्होंने कैसे सब हैंडल किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी यह पता लगाने की कोशिश की कि अंडरवर्ल्ड से वह कौन था जिसने एक्टर को कॉल किया था, तो सोमी ने जवाब दिया, मैंने सलमान से इस बारे में दो–तीन बार पूछा, लेकिन उन्होंने जवाब दिया, यह बेहतर है कि आपको इन चीजों के बारे में पता ही न चले।

सलमान क्यों करते हैं एक्स गर्लफ्रेंड्स से अच्छे से बात?

इसी इंटरव्यू में जब पूछा गया कि सलमान अपनी पिछली गर्लफ्रेंड्स जैसे संगीता बिजलानी और कटरीना कैफ के साथ अच्छे संबंध रखते हैं, लेकिन उनके साथ नहीं, तो सोमी ने कहा, क्योंकि सलमान ने मेरे साथ जैसा व्यवहार किया, वैसा उन्होंने किसी और के साथ नहीं किया। उन्होंने मेरे साथ जितना बुरा व्यवहार किया, उसका आधा भी संगीता और कटरीना के साथ नहीं किया।

सोमी ने सलमान पर मारपीट का लगाया आरोप

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, हालांकि उन्होंने ऐश्वर्या के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया। मुझे लगता है कि उन्होंने ऐश्वर्या के कंधे की हड्डी तोड़ दी थी। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्होंने कैटरीना के साथ क्या किया। सोमी ने सलमान की तुलना लॉरेंस बिश्नोई से भी की और कहा सलमान ने मेरे साथ जो किया, उसे देखते हुए मैं कह सकती हूं कि बिश्नोई उनसे बेहतर हैं। सोमी ने यह भी याद किया कि कैसे एक बार सलमान उन्हें मार रहे थे और उनके घर के नौकर ने दरवाजा खटखटाकर उनसे विनती की कि वह उन्हें न मारें।

एक्ट्रेस वंदना सजनानी ने मरे हुए बच्चे को दिया था जन्म

एक्ट्रेस वंदना सजनानी खट्टर ने 44 साल की उम्र में बच्चे को जन्म दिया, जिसे उन्होंने अपने जीवन में एक बड़ा चमत्कार माना। तीन मिसकैरेज, तीन आईवीएफ तीन आईयूआई और तीन सरोगेसी असफलताओं के बाद वह मां बनीं। लेकिन उन्हें कई लोगों ने इस उम्र में मां बनने के लिए ट्रोल भी किया।

एक्ट्रेस वंदना सजनानी खट्टर ने 44 साल की उम्र में बच्चे को जन्म दिया था। लेकिन इसके पहले उन्होंने काफी मुश्किलें झेली थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके 3 मिसकैरेज हुए। 3 आईवीएफ और 3 आईयूआई और 3 सरोगेसी फेल हुए। और शादी के 11 साल बाद वह मां बनीं। एक्ट्रेस ने देबिना बनर्जी के पॉडकास्ट में बच्चे के जन्म का एक रूह कंपा देने वाला अनुभव साझा किया है। राजेश खट्टर की पत्नी और एक्ट्रेस वंदना सजनानी ने बताया कि उन्होंने मां बनने के लिए बहुत प्रयास किए थे। लेकिन बाद में उन्हें मिरेकल बेबी हुआ। एक्ट्रेस ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने जब कंसीव किया था तो उसके 5 महीने बाद ही उनका मिसकैरेज हो गया था। उनको फौरन अस्पताल ले जाया गया और वहां डॉक्टर ने उन्हें बैड न्यूज दी कि वह नहीं रहा। लेकिन एक्ट्रेस इस बात पर अड़ी थीं कि वह अपने बच्चे को जन्म देना चाहती हैं। भले ही वह जिंदा हो या फिर मर गया हो।

वंदना सजनानी ने मरे हुए बच्चे को जन्म दिया था

हालांकि डॉक्टर ने उनको समझाने की कोशिश की थी कि यह उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है क्योंकि बच्चा उसके गर्भ में ही मर गया था। लेकिन वह नहीं मानीं। और उन्होंने अपने बच्चे को सामान्य रूप से जन्म दिया। उन्होंने बताया कि उस वक्त उन्हें डर था कि वह दोबारा कभी गर्भधारण नहीं कर पाएंगी, इसलिए उन्होंने ये फैसला किया था।

वंदना के बेटे की ईशान खट्टर से होती है तुलना

वंदना और राजेश खट्टर के लिए वो पल किसी चमत्कार से कम नहीं था, जब उन्हें कई सारे असफल प्रयासों के बाद बच्चे का सुख मिला। लेकिन कई लोगों ने एक्ट्रेस को 44 साल की उम्र में मां बनने के लिए ट्रोल भी किया था। कहा था कि दादा–दादी बनने की उम्र में वह माता–पिता बन रहे हैं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि उनके बेटे युवान की तुलना उनके सौतेले बेटे ईशान से भी का जाती है। जबकि दोनों की उम्र में काफी अंतर है। लेकिन लोग भद्दे कमेंट्स करते हैं।

मिट्टी के कीड़े के काटने से जा सकती है जान भी

चागास डिजीज एक संक्रामक रोग है जो ट्रायटोमाइन नामक कीड़े के मल में पाए जाने वाले पैरासाइट के कारण होता है। चूंकि यह अक्सर व्यक्ति के चेहरे के आस पास काटते हैं इसलिए इस बीमारी को किसिंग बग भी कहते हैं।

चागास डिजीज एक तरह का इंफेक्शन है जो ट्रायटोमाइन नामक संक्रमित कीड़े के काटने से होता है। इस डिजीज को किसिंग बग भी कहा जाता है क्योंकि इसमें कीड़ा अक्सर व्यक्ति के चेहरे पर ही काटता है। इसमें व्यक्ति को फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं या फिर बिल्कुल भी कोई लक्षण नहीं दिखाई दे सकता है। यह बीमारी घातक हो सकती है लेकिन सही समय पर इलाज से पीड़ित व्यक्ति पूरी तरीके से ठीक भी हो जाते हैं। गर्भावस्था या डिलीवरी के दौरान माता–पिता से बच्चों में चागास डिजीज फैल सकता है।

क्या है चागास डिजीज?

चागास डिजीज को अमेरिकन ट्रिपैनोसोमियासिस भी कहा जाता है। यह किसी को भी संक्रमित कर सकता है। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए तो इसके कारण हार्ट और पाचन तंत्र से जुड़ी गंभीर समस्याएं हो सकती है। इस इन्फेक्शन के एक्यूट फेज में इसके पैरासाइट को मारने पर फोकस किया जाता है। यदि कोई लंबे समय से इससे संक्रमित है तो इसके पैरासाइट को मारना संभव नहीं होता है। ट्रीटमेंट के बाद के चरण में इसके संकेत और लक्षणों को मैनेज करने पर ध्यान दिया जाता है। संक्रमण को रोकने के लिए भी कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।

चागास डिजीज के लक्षण

चागास डिजीज के लक्षणों को दो चरणों में बांटा गया है पहला तीव्र यानी कम समय तक रहने वाला और दूसरा मध्य जो लंबे समय तक रहता है। तीव्र चरण के लक्षण आमतौर पर ज्यादा गंभीर नहीं होते हैं। इसके लक्षणों में बुखार, चक्कर, मतली, दस्त, कम भूख लगना आदि शामिल है। मध्य चरण के लक्षणों में हार्ट फेलियर, खून का थक्का जमना, कार्डियक अरेस्ट, निगलने में परेशानी और पेट से जुड़ी समस्याएं शामिल है। मिट्टी वाले क्षेत्रों पर यह कीड़े सबसे ज्यादा पाए जाते हैं ऐसे में इस तरह की जगह पर सोने से हमेशा बचना चाहिए।

चागास डिजीज से जुड़ी जटिलताएं

यदि चागास डिजीज लंबे समय तक रहता है तो इससे हार्ट और पाचन से संबंधी कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जैसे हार्ट फेलियर तब होता है जब आपका हार्ट इतना कमजोर और अकड़ जाता है कि वह ठीक तरीके से शरीर की जरूरत के अनुसार अधिक ब्लड पंप नहीं कर पता है। यह दुर्लभ स्थिति ग्रासनली के असामान्य फैलाव के कारण होती है। इससे व्यक्ति को निगलने में कठिनाई होने के अलावा पाचन से संबंधित समस्या होती है। मेगाकॉलन तब होता है जब कोलन असामान्य तरीके से चौड़ा हो जाता है। इससे पेट दर्द, सूजन और गंभीर कब्ज की समस्या होती है।

बुढ़ापे को बर्बाद कर सकती हैं दिमाग की 2 बीमारी

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका शेरावत के मुताबिक जितने भी लोग 30 या 40 की उम्र में हैं, उन्हें अपने रहन–सहन का ध्यान रखना चाहिए। इस उम्र में जो लोग लाइफस्टाइल का ध्यान नहीं रखते हैं, उन्हें बुढ़ापे में डिमेंशिया और पार्किंसन जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारी के लिए तैयार रहना चाहिए। ये बीमारी न्यूरोडिजेनेरेटिव प्रॉब्लम हैं, जिसमें ब्रेन सेल्स का धीरे–धीरे नष्ट होना शुरू हो जाता है। इन बीमारी के कुछ मामले जेनेटिक्स होते हैं मगर कुछ मामलों के पीछे अनहेल्दी लाइफस्टाइल हो सकती है। जिसमें एक्सरसाइज न करना, मसल्स स्ट्रेंथनिंग न करना, सही डाइट न लेना, वर्कआउट नहीं करना, स्ट्रेस बहुत ज्यादा लेना या मैनेज नहीं कर पाना शामिल है। ब्रेन को हेल्दी रखने के लिए 30 से 40 की उम्र में ब्रेन के लिए हेल्दी डाइट लेना शुरू कर देना चाहिए। डाइट के अंदर ओमेगा 3, प्रोटीन, फाइबर बढ़ाएं। इसके लिए अखरोट, टोफू, खीरा जैसे फूड खाएं। साथ ही हेल्दी सीड्स खा सकते हैं। अगर आपको जवानी में डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, मोटापे या इंसुलिन रेजिस्टेंस की दिक्कत है तो इन बीमारी को कंट्रोल करें। अगर यह लाइफस्टाइल से ठीक नहीं हो रही हैं तो डॉक्टर की मदद लें। मगर इन्हें बेकाबू न होने दें। वर्कआउट और एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। शरीर को मजबूत बनाने के लिए 30 मिनट की वॉक या एरोबिक्स और साथ में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें।

इन सिंपल रेमेडीज को फॉलो कर बनाए शरीर को डिटॉक्स फ्री और हेल्दी डाइजेशन

अभी त्यौहारों का सीजन चल रहा है और हम इस दौरान जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं। आप खुद को जितना ज्यादा हाइड्रेट रखेंगे उतना ज्यादा आपका पाचन तंत्र अच्छे से काम करता है। इसलिए आपको अपने शरीर को लिक्विड ड्रिंक्स समय समय पर जरूर देनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है की आप खुद को ओवर हाइड्रेट कर लो। बस आपको अपने शरीर की जरूरत के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में हाइड्रेशन रखना चाहिए। इसके लिए आप पानी तो पी ही सकते हैं लेकिन कुछ अन्य पानी से भरपूर चीजों का भी सेवन कर सकते हैं जैसे तरबूज, टमाटर और लेट्स आदि। नमक वाले पानी को पीना एक काफी अच्छा डिटॉक्स माना जाता है। इससे आपके शरीर में जमा हुए टॉक्सिंस आसानी से बाहर निकल जाते है। नमक वाले पानी को पीने के बाद आपको अचानक से बाथरूम जाने का प्रेशर महसूस हो सकता है। इसलिए आप सुबह उठ कर या शाम के समय किसी भी वक्त नमक के सॉल्यूशन का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक गिलास गर्म पानी ले लेना है और उसमें एक चुटकी सेंधा नमक मिला लें। आप इस नमक के पानी को रोजाना भी पी सकते हैं।

बॉडी के लिए हाइड्रेशन क्यों है इतना जरूरी, जानिए खास टिप्स

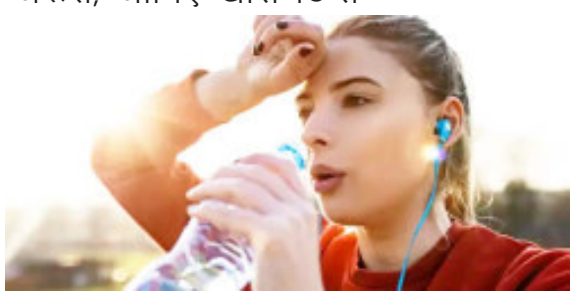

फेस्टिव सीजन तो खत्म होने ही वाला है लेकिन त्यौहारों के दौरान हमने बाहर का खाने पीने में और पार्टी आदि के दौरान अपनी सेहत का बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया है। इस दौरान अधिकतर लोगों ने हेल्दी खाने को अलविदा बोल कर जंक फूड और मिठाइयों का सेवन किया है। इस दौरान पार्टी के दौरान भी कुछ लोग शुगरी ड्रिंक्स और शराब का सेवन कर रहे होंगे। हालांकि बाद में आपका शरीर ऐसा करने से काफी अधिक डिहाइड्रेट हो जाता है जिस पर आपको ध्यान देना होगा। हाइड्रेशन शरीर के लिए काफी जरूरी होता है नहीं तो आपको काफी सारी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जैसे अगर आपका शरीर अच्छे से हाइड्रेटेड नहीं होगा तो आप को बार बार चक्कर आने जैसा महसूस हो सकता है और आप को सिर दर्द आदि का भी सामना करना पड़ सकता है। हाइड्रेशन शरीर के लिए काफी जरूरी होता है। अगर आप अपने शरीर को हाइड्रेटेड नहीं रखेंगे तो आप का ब्लड थोड़ा थिक हो जाता है जिस वजह से ब्लड क्लाट आदि बनने लगते हैं। इसके अलावा आपको लगातार सिर में दर्द रहने लगता है। अन्य तरह की समस्याओं का भी आपको सामना करना पड़ सकता है जैसे चक्कर आना, दिमागी क्षमताओं का कम होना आदि। इसलिए हाइड्रेशन काफी जरूरी है।

काजू कतली में काजू है भी या नहीं, 2 सेकंड में करें जांच

त्योहारों पर काजू कतली का लेनदेन काफी चलता है। कोई इसे लेने से भी मना नहीं करता, क्योंकि इसका स्वाद सभी को पसंद आता है। ऊपर से इसमें काजू की मौजूदगी इस मिठाई को थोड़ा हेल्दी बनाती है। लेकिन आप जो काजू कतली खा रहे हैं, उसमें काजू है भी या नहीं? इसके बारे में कैसे पता करें। मार्केट में नकली काजू कतली भी बिकती है। यह मिठाई महंगी होती है, इसलिए लोग इसमें मिलावट करते हैं। यह न आपके पैसे की बर्बादी है बल्कि सेहत को भी नुकसान पहुंच सकता है। नकली या मिलावटी काजू कतली खाने से आपका पेट बुरी तरह खराब हो सकता है और कैंसर का खतरा भी बना रहता है।

नकली काजू कतली कैसे बनती है?

काजू कतली का मुनाफा बढ़ाने के लिए इसमें काजू की जगह दूसरे सस्ते पदार्थ मिलाए जाते हैं। कई बार इसके अंदर हानिकारक आर्टिफिशियल रंग भी हो सकता है। कई स्टडी में इस रंग को एक्सपर्ट कैंसर का कारण मानते हैं। इसके अलावा, काजू कतली में मूंगफली, कसे आलू और नकली मावा का इस्तेमाल किया जाता है।

असली काजू कतली की पहचान

असली काजू कतली का रंग क्रीम से लेकर हल्का सफेद हो सकता है। ज्यादा पीली या सफेद चमकीली नकली हो सकती है। असली मिठाई मुलायम होती है और मोड़ने पर टूट जाती है। अत्यधिक कठोर या रबर जैसी खिंचने वाली बासी व मिलावटी हो सकती है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काजू कतली खाने पर काजू का स्वाद आता है, जबकि मिलावटी का सेवन करने पर मूंगफली, आलू या अजीब केमिकल जैसा स्वाद आ सकता है। काजू कतली का टुकड़ा उंगलियों पर रगड़ने पर काजू का हल्का स्वाद देगा, जबकि नकली से ऐसा नहीं होता। काजू कतली का टुकड़ा पानी में घोलकर देखें। असली मिठाई जल्दी घुल जाएगी और नकली देर से घुलेगी और पदार्थ दिखाई देने लगेंगे।

काजू कतली में आलू की पहचान

कई बार काजू कतली बनाने के लिए आलू मिलाए जाते हैं। इसे पकड़ने के लिए एक काजू कतली का पानी में घोल बनाएं। अब इसमें कुछ बूंद आयोडीन टिंक्चर डालें। अगर इसमें आलू होगा तो यह मिक्सचर नीले–काले रंग का हो जाएगा।

काजू कतली में नकली मावा की मिलावट

नकली मावा के अंदर भी स्टार्च या आलू मिला होता है। इसके लिए भी ऊपर बताया गया तरीका अपना सकते हैं। मूंगफली की मिलावट को स्वाद लेकर पता किया जा सकता है।

नकली-असली काजू की पहचान

अगर आप बाजार से काजू खरीद रहे हैं तो उसकी जांच भी करें। असली काजू का रंग हल्का सफेद या हल्का पीला हो सकता है। ज्यादा सफेद या ज्यादा पीला काजू न खरीदें। यह भी ध्यान रखें कि सभी काजू का रंग एक समान हो और इनपर धब्बे न हों। असली काजू का साइज करीब 1 इंच लंबा होता है। नकली काजू में कीड़े लगे हो सकते हैं।

अब ऑस्ट्रेलिया में जाकर खेलना है

रोहित शर्मा और विराट कोहली की परेशानी कम होती नजर नहीं आ रही है। भारत को अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है। वहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के पास पैट कमिंस, जोश हेडलवुड और मिचेल स्टार्क जैसे तेज गेंदबाज हैं। स्पिनर में उनके पास नाथन लायन हैं। यही वजह है कि रोहित और विराट के लिए आगे की राह भी काफी मुश्किल नजर आ रही है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के आंकड़े चिंताजनक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली घरेलू सीजन में पूरी तरह फेल रहे। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट खेलने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज खेली। रोहित शर्मा ने 10 पारियों में 13.30 की औसत से 133 रन बनाए। विराट के बल्ले से 21.33 की औसत से 10 पारी में 192 रन निकले। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप होना पड़ा। आकाश चोपड़ा ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर चिंता जताई है। चोपड़ा ने कहा कि उनके घरेलू मैदान के आंकड़े अच्छे नहीं हैं और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, श्क्या यह अंत की शुरुआत है, अगर हम विराट और रोहित के बारे में बात करें? वे अच्छे नहीं दिख रहे हैं। आपके सामने घरेलू सीजन के आंकड़े हैं और ये आंकड़े चिंताजनक हैं। अगर ये आंकड़े आपको चिंता में नहीं डाल रहे हैं तो या तो आप आंखों पर पट्टी बांधे हुए हैं या आप उस तरफ देखना ही नहीं चाहते। उन्होंने आगे कहा– ये विराट कोहली और रोहित शर्मा के आंकड़े नहीं हैं। हमने कभी नहीं सोचा था कि रोहित और कोहली के साथ ऐसी स्थिति देखने को मिलेगी।

रोहित शर्मा की कप्तानी और बल्लेबाजी पर उठ रहे हैं सवाल

क्रिकेट

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत को मिली बुरी हार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया के माथे पर बहुत बड़ा कंलक लगा है। भारत को अपने ही घर में पहली बार तीन या इससे ज्यादा टेस्ट मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप होना पड़ा है। टीम इंडिया को ये दर्द दिया है न्यूजीलैंड ने। इस सीरीज के बाद रोहित शर्मा आलोचकों के निशाने पर है। इसका कारण बतौर कप्तान और बल्लेबाज, दोनों के तौर पर उनका खराब प्रदर्शन है। टीम इंडिया की नजरें न्यूजीलैंड सीरीज को भुला ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर हैं इससे पहले पूर्व सेलेक्टर ने रोहित को लेकर बड़ी बात कह डाली है।

न्यूजीलैंड से हार के बाद भारत के लिए ऑस्ट्रेलियाई सीरीज काफी अहम हो गई है क्योंकि इस सीरीज पर ही उसका आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल खेलने का

सपना टिका है। ऐसे में रोहित चाहेंगे कि अपनी कप्तानी में वह ऑस्ट्रेलिया में भारत को जीत दिलाएं और बल्लेबाज के तौर पर रन बनाए। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर क्या होगा?

टीम इंडिया के पूर्व चीफ सेलेक्टर कृष्णाचारी श्रीकांत का मानना है कि अगर रोहित ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेल नहीं दिखाते हैं वह खुद संन्यास का एलान कर देंगे। श्रीकांत उस सेलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष थे जिसने 2011 में वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम का चयन किया था लेकिन रोहित शर्मा को नहीं चुना था।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्अगर टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं करती है तो फिर आपको आगे के बारे में सोचना होगा। अगर रोहित शर्मा अच्छा नहीं करते हैं तो मुझे लगता है कि वह खुद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे और सिर्फ वनडे खेलेंगे। वह टी20 को पहले ही छोड़ चुके हैं। हमें इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि उनकी उम्र हो रही है। वह अब युवा नहीं रहे।

श्रीकांत ने कहा कि रोहित में हिम्मत है ये कबूल करने कि वह बुरा खेले। पूर्व कप्तान ने कहा, कम से कम रोहित में इतनी हिम्मत तो है कि वह इस बात को कबूल करते हैं कि उन्होंने अच्छा नहीं खेला और कप्तानी भी बेकार की। ये बहुत अच्छी बात है, इसके लिए रोहित को सलाम है। उन्होंने ये बात सभी के सामने कबूल की इसका मतलब है कि वह रिकवरी के रास्ते पर हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में सिर्फ एक ही अर्धशतक जमाया।

साउथ अफ्रीका का किला फतह करने डरबन पहुंची सूर्या सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इंडिया साउथ अफ्रीका पहुंच चुकी है। जहां उसे चार मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। सूर्यकुमार के भारत के फुल टाइम कप्तान बनने के बाद ये उनकी तीसरी सीरीज है जिसमें वह जीत की हैट्रिक लगाना चाहेंगे। इसके लिए टीम इंडिया डरबन पहुंच चुकी है।

भारत ने इससे पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में श्रीलंका और बांग्लादेश को टी20 सीरीज में मात दी थी। सूर्यकुमार पार्ट टाइम कप्तान के तौर पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 टीम की कप्तानी कर चुके हैं, लेकिन फुल टाइम कप्तान बनने के बाद वह पहली बार साउथ अफ्रीका दौरे पर गए हैं।

इस सीरीज के लिए बीसीसीआई

■चार मैचों की टी20 सीरीज में लेगी हिस्सा

की सेलेक्शन कमेटी ने कई खिलाड़ियों को आराम दिया है क्योंकि भारत को 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसमें टीम के कई सीनियर और मुख्य खिलाड़ी शामिल हैं। साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए तीन नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री हुई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले रमनदीप सिंह को पहली बार जगह मिली है। वहीं रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के विजय कुमार को भी पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

आरसीबी के ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को भी पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले वह टेस्ट टीम में चुने जा चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में उन्हें चुना गया था लेकिन डेब्यू का मौका नहीं मिला था।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत शुक्रवार यानी आठ नवंबर से हो रही है। दूसरा मैच 10 और तीसरा मैच 13 नवंबर को खेला जाएगा। चौथा और आखिरी मैच 15 तारीख को होगा। भारतीय फैंस इन सभी मैचों को स्पोर्ट्स 18 के चौनलों पर देख सकते हैं। वहीं जियो सिनेमा पर भी इसकी लाइव स्ट्रीमिंग देखी जा सकती है। पहला मैच डरबन, दूसरा मैच गेबेखा,तीसरा मैच सेंचुरियन और चौथा मैच जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा। दूसरा मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। बाकी सभी मैच 8:30 बजे शुरू होंगे।

रिद्धिमान साहा ने किया संन्यास का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम का अहम हिस्सा रहे विकेटकीपर–बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास का एलान कर दिया है। साहा इस समय अपने घरेलू राज्य बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। उन्होंने बताया है कि मौजूदा रणजी सीजन उनका आखिरी सीजन होगा और इसके बाद वह खेल को अलविदा कह देंगे। साहा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर इस बात की जानकारी दी। साहा उस टीम का हिस्सा थे जिसने विराट कोहली की कप्तानी में पहली बार साल 2018–19 में ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में टेस्ट सीरीज में मात दी थी। यहां से साहा का करियर ढलान पर आ गया और ऋषभ पंत के आने के बाद से टीम मैनेजमेंट ने उन्हें साइडलाइन कर दिया। साहा ने उन सभी लोगों के शुक्रगुजार हैं जिन्होंने इस सफर में उनका साथ दिया।

न्यूज डायरी

गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत को मिला सबसे बड़ा जख्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया ने इसी साल टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद लगा था कि यहां से टीम इंडिया और आगे जाएगी। इसका कारण था। टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ था। टी20 वर्ल्ड कप के बाद राहुल द्रविड़ ने हेड कोच का पद छोड़ दिया था। नए कोच गौतम गंभीर की एंट्री हुई। गंभीर आईपीएल–2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के विजेता बनाकर आ रहे थे। ऐसे में लगा था कि टीम इंडिया को भी वह नए आयाम तक ले जाएंगे, लेकिन जब से गंभीर आए हैं तब से टीम इंडिया बैकफुट पर ही है। गंभीर को बीसीसीआई ने चार साल के लिए भारतीय टीम की जिम्मेदारी सौंपी है। यानी वह 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक टीम के साथ रहेंगे। लेकिन जिस तरह का प्रदर्शन गंभीर के रहते हुए टीम ने किया है उसने सारी उम्मीदों को ध्ूमिल कर दिया है। गंभीर का बतौर टीम इंडिया के कोच के तौर पर कार्यकाल श्रीलंका दौरे से शुरु हुआ था। इस दौरे पर भारत ने टी20 और वनडे सीरीज खेली थीं। टी20 सीरीज तो टीम इंडिया ने जीती थी। लेकिन वनडे सीरीज में उसे हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका ने भारत को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2–0 से मात दी थी। ये 27 साल में पहली बार था कि श्रीलंका ने भारत को वनडे सीरीज में मात दी थी। ये वनडे सीरीज साल 2024 में भारत की आखिरी वनडे सीरीज थी।

बाबर आजम के साथ ऑस्ट्रेलिया में गजब हो गया, 5 साल बाद लगा कलंक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बाबर आजम को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी दो मैचों में से बाहर कर दिया गया था। ये फैसला बाबर की खराब फॉर्म को देखकर लिया गया था। सेलेक्शन कमेटी ने कहा था कि ये बाबर के लिए ब्रेक है ताकि वह अपने समय बिता सकें और मजबूत वापसी कर सकें। लेकिन बाबर के लिए ये ब्रेक असरदार साबित नहीं हुआ। उनकी वापसी फीकी रही। ऑस्ट्रेलिया में उनके साथ ऐसा कुछ हो गया जो पांच साल से नहीं हुआ था। पाकिस्तान टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है जहां तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है। सीरीज का पहला मैच सोमवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। इस मैच में बाबर आजम ने वापसी की लेकिन कोई बड़ी पारी नहीं खेल सके और अपनी टीम को बीच मझधार में छोड़कर चले गए। बाबर ने शुरुआत तो अच्छी की थी लेकिन उसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। 44 गेंदों पर 37 रन बनाकर वह आउट हो गए। अपनी पारी में बाबर ने चार चौके मारे। बाबर को ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन लेग स्पिनर एडम जैम्पा ने पवेलियन की राह दिखाई। जैम्पा ने अपने पहले ही ओवर में ये विकेट लिया। बाबर ने सोचा की जैम्पा की गेंद टर्न लेगी लेकिन ये गेंद सीधी रही और उनके स्टंप ले उड़ी। इसी के साथ बाबर के साथ वो हो गया तो पिछले पांच साल से नहीं हुआ था। पांच साल में पहली बार बाबर वनडे में किसी स्पिनर पर बोल्ड हुए हैं।

केएल राहुल और ध्रुव जुरैल समय से पहले जा रहे हैं ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों अपने घर में हार का सामना करना पड़ा है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड ने भारत को 3–0 से हराया है। इस हार के बाद टीम इंडिया की जमकर आलोचना हो रही है। इस बीच बीसीसीआई ने एक बड़ा फैसला किया है। टीम ने केएल राहुल और ध्रुव जुरैल को लेकर ये फैसला किया है। बता दें कि ये दोनों ही खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टेस्ट टीम में चुने गए हैं। भारत को न्यूजीलैंड के बाद अब अपनी अगली टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलनी है। टीम इंडिया की नजरें बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी जीतने पर हैं। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिहाज से ये सीरीज भारत के लिए काफी अहम है। इस सीरीज पर भारत के फाइनल की उम्मीदें टिकी हैं। भारत को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहला टेस्ट मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेलना है। इसके लिए टीम कब रवाना होगी इस पर कोई स्थिति साफ नहीं है लेकिन केएल राहुल और जुरैल समय से पहले ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं। ये दोनों इस समय वहां मौजूदा इंडिया–ए टीम से जुड़ेंगे और मैच खेलेंगे। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है।

पेज थ्री देहरादून

गंगा उत्सव में गंगा एक्शन परिवार, परमार्थ निकेतन द्वारा लगाये गये इंटरैक्टिव स्टॉल।

हमारा दून

देहरादून, मंगलवार, 5 नवंबर 2024 पेज 8

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने एसडीएम ऋषिकेश को सौंपी जिम्मेदारी

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने अल्मोड़ा बस हादसे को लेकर एसडीएम ऋषिकेश को लाइजन अफसर नियुक्त किया है। हादसे के तीन गंभीर घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि एसडीएम ऋषिकेश को निर्देश दिए गए हैं कि वह घायलों के उपचार के साथ ही उनके परिजनों को हर संभव मदद उपलब्ध कराएं। इसके लिए एम्स प्रशासन से समन्वय बनाने के अलावा परिजनों से लगातार संपर्क में रहेंगे। उन्होंने कहा कि घायलों के उपचार समेत अन्य किसी भी जानकारी या सहायता के लिए परिजन एसडीएम ऋषिकेश से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने इस मामले में एसडीएम से भी लगातार अपडेट देने के निर्देश दिए हैं।

अल्मोड़ा बस हादसे पर जताया दुख

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी, प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती ने अल्मोड़ा बस हादसे में बड़ी संख्या में जान माल की हानि पर दुःख व्यक्त करते हुये ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शान्ति की प्रार्थना की। मंच अध्यक्ष ने कहा कि ईश्वर उनके परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे। जिला प्रशासन, स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद को पहुंचकर मानवता के कर्म को पूरा किया हैं। रामलाल खंडूड़ी ने मुख्यमन्त्री से प्रभावित परिवारों की तत्काल मदद पर धन्यवाद देते हुए घायलों को बेहतर उपचार में मदद देने की अपील की।

कांग्रेस ने छठ महापर्व के उपलक्ष्य पर बांटे उपहार

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस ने छठ पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को गोविंदगढ़ में उपहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने महिलाओं को छठ पूजा की शुभकामनाएं देने के साथ ही उन्हें उपहार दिए। चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि छठ पूजा लोक आस्था का महान पर्व है। समाज के सभी लोग श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ इसे मनाते हैं। यह पर्व आत्मानुशासन की प्रेरणा देता है।

छठ पूजा का होर्डिंग फाड़ने वालों पर हो करवाई

संवाददाता ऋषिकेश। लक्ष्मणझूला थाने के समक्ष छठ पूजा से संबंधित होर्डिंग फाड़ने के मामले में पूर्वांचल समाज के लोगों ने नाराजगी जताई। सार्वजनिक छठ पूजा समिति स्वर्गाश्रम ने एसडीएम से मामले में दोषियों पर कार्रवाई की गुहार लगाई। समिति सदस्यों ने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोमवार को सार्वजनिक छठ पूजा समिति स्वर्गाश्रम–लक्ष्मणझूला और पूर्वांचल समाज के लोगों ने यमकेश्वर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

सीएम ने घटना के तुरंत बाद रामनगर पहुंचकर घायलों का जाना हालचाल

बस दुर्घटना

■ मुख्यमंत्री धामी ने मार्चुला के पास कूपी में हुई भीषण बस दुर्घटना पर जताया दुख

■ बस दुर्घटना के मृतकों के परिजनों से मिलकर व्यक्त की शोक संवेदना

संवाददाता

देहरादून। सोमवार को अल्मोड़ा जिले के सल्ट तहसील में मार्चुला के पास कूपी में हुए भीषण बस दुर्घटना में 36 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 26 लोग घायल हुए है। इस दुःखद घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मृतकों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार जनों को इस दुख की घड़ी में दुख सहने की ईश्वर से कामना की। मुख्यमंत्री ने तत्काल मुआवजे का ऐलान करते हुए इस हादसे में हताहत हुए लोगों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये वह घायलों को 1 लाख मुआवजे की घोषणा की मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

इस दुःखद घटना की जानकारी प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को देने के साथ ही स्वयं रामनगर पहुंच कर मार्चुला में हुई बस दुर्घटना में घायलों की कुशल क्षेम जानी तथा मृतकों के परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने रामनगर चिकित्सालय में भर्ती घायलों का हालचाल जाना तथा उनके बेहतर उपचार हेतु आवश्यक निर्देश सीएमओ व अन्य चिकित्सकों को दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घायल व्यक्ति को बेहतर से बेहतर उपचार मिले, अगर उन्हें हायर सेंटर भेजने की आवश्यकता है तो एयर एंबुलेंस से तत्काल भेजा जाए इस दौरान मुख्यमंत्री घायलों के परिजनों से भी मिले तथा उन्हें घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने को आश्वस्त कराया। इस घटना में गंभीर 6 घायलों को एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश तथा 1 घायल को एसटीएच हल्द्वानी एयर एंबुलेंस के माध्यम से तथा 5 अन्य घायलों को 108 एम्बुलेंस से एसटीएच हल्द्वानी भेजा गया। 5 घायलों को उनके परिजनों की मांग पर अन्य चिकित्सालयों में पहुंचाया गया। 9 घायल रामनगर चिकित्सालय में भर्ती हैं जिनका उपचार किया जा रहा है

घटना की सूचना के तुरंत बाद आयुक्त कुमाऊं/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत व अन्य अधिकारी भी मौके पर पंहुचे। इससे पूर्व आयुक्त ने रामनगर चिकित्सालय में भर्ती घायलों का हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों का बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए।

इस दौरान गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट, दर्जा राज्यमंत्री डॉ अनिल डब्बू, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, डीएम वन्दना, एसएसपी प्रहलाद मीणा, सीएमओ डॉ हरीश चन्द्र पंत सहित अन्य मौजूद रहे।

108 आपातकालीन सेवा की जवाबदेही होगी तयः धन सिंह

संवाददाता देहरादून। अल्मोड़ा में हुए बस हादसे के बाद स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने रिस्पांस टाइम सुधारने और 108 आपातकालीन सेवाओं की जवाबदेही तय किए जाने के निर्देश दिए। साफ किया कि तय रिस्पांस टाइम के भीतर न पहुंचने पर पैनल्टी लगाई जाएगी। पहाड़ों पर 25 मिनट और मैदान में 15 मिनट में 108 वाहन के न पहुंचने पर तीन गुना जुर्माना लगेगा।

यमुना कालोनी आवास में हुई बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि किसी भी दुर्घटना के बाद मौके पर तय समय सीमा के अंतर्गत न पहुंचने वाले 108 एम्बुलेंस वाहनों पर जुर्माना लगाया जाएगा। कुछ एम्बुलेंस को बैकअप में भी रखा जाएगा। गम्भीर मरीजों को एम्बुलेंस सीधे रैफर्ड अस्पताल में पहुंचाएगी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को गाइडलाइन तैयार करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को 108 आपातकालीन सेवा की जवाबदेही तय करने को ठोस गाइडलाइन तैयार करने के निर्देश दिए। कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर तय समय सीमा के भीतर न पहुंचने पर 108 एम्बुलेंस सेवा प्रदाता के विरूद्ध तीन गुना पैनाल्टी लगाई जाएगी।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें

जनसुनवाई

■जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में सोमवार को ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन/जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता दर्शन/जनसुनवाई मे 76 शिकायतें प्राप्त हुई। अधिकतर शिकायतें भूमि सम्बन्धी प्राप्त हुई, इसके अतिरिक्त जलसंस्थान, एमडीडीए, नगर निगम आपसी विवाद, वरिष्ठ नागरिकों आदि से सम्बन्धित शिकायत प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया जनता दर्शन/जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें, साथ जिन शिकायतों के निस्तारण पर संयुक्त रिपोर्ट मांगी गई है सम्बन्धित अधिकारी समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण एवं मॉनिटिरिंग हेतु डिजिटल सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे से ज्ञात रहेगा कि कौन सी शिकायत किस अधिकारी के पास है तथा कितने समय से लम्बित है, इस सिस्टम से शिकायतों के समयबद्धता से के साथ निस्तारण एवं प्रभावी मॉनिटिरिंग की जा सकेगी।

जनता दर्शन/जनसुनवाई में आवास विकास कालोनी में सील भवन में निर्माण होने सम्बन्धी शिकायत पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश, एई एमडीडीए, पुलिस क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश को संयुक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

हरिपुरकला ऋषिकेश निवासी एक शिकायतकर्ता द्वारा परेशान किये जाने पर उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को कार्यवाही के निर्देश दिए। कारगी में नदी श्रेणी की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर उपजिलाधिकारी सदर एवं एमडीडीए के अधिकारियो को संयुक्त जांच करने के निर्देश दिए।

आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी प्रक्रिया पर उठे सवाल

संवाददाता देहरादून। नगर निगम ने आउटसोर्स कंपनी के माध्यम से भर्ती कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। सोमवार को प्रोजेक्ट मैनेजर ने कई कर्मचारियों को मौखिक रूप से कहा कि जिन कर्मचारियों के नाम स्वास्थ्य अनुभाग, लोक निर्माण अनुभाग, भूमि अनुभाग व अन्य अनुभागों से छंटनी करने के लिए भेजे गए हैं। वह मंगलवार से ड्यूटी पर आना बंद कर दें। कर्मचारियों का आरोप है कि हटाए जा रहे 95 कर्मचारियों की सूची आनन फानन में तैयार की गई है और उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। कई ने मांग की है कि टाइपिंग टेस्ट के आधार पर कर्मचारियों की छंटनी होनी चाहिए। कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी छंटनी का विरोध शुरू कर दिया है। अपर नगर आयुक्त वीर सिंह बुदियाल ने बताया कि मंगलवार को इस विषय को लेकर नगर आयुक्त को अवगत करवाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।